

HINDI

Maximum Marks : 80

Time Allotted : Three Hours

Reading Time : Additional Fifteen Minutes

Instructions to Candidates

1. You are allowed an **additional fifteen minutes** for **only** reading the question paper.
2. You must **NOT** start writing during reading time.
3. This question paper has **11 printed pages and one blank page**.
4. It is divided into **two sections : Section A and Section B**.
5. It has **fifteen questions** in all.
6. **Section A** has **three questions**. All questions are compulsory.
7. While attempting **Multiple Choice Questions** in Section A, you are required to **write only ONE option as the answer**.
8. **Section B** has **twelve questions**. You are required to attempt **any four** questions in this section on **any three** out of the four prescribed textbooks.
9. The intended marks for questions are given in brackets [].

Instruction to Supervising Examiner

1. Kindly read **aloud** the Instructions given above to all the candidates present in the examination hall.

SECTION - A
LANGUAGE - 40 MARKS

Question 1

[15]

Write a composition in approximately 400 words on any one of the topics given below.

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में एक निबन्ध लिखिए।

- (i) अधिकांश लोग अपने घरों को साफ रखते हैं, लेकिन सड़क, बाजार और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा-कचरा फेंक देते हैं। इस व्यवहार के पीछे उनकी क्या मानसिकता है? इस मानसिकता से समाज और पर्यावरण को किस तरह नुकसान पहुँचता है? अपने सुझाव देते हुए लिखिए कि लोगों की इस आदत को कैसे बदला जा सकता है?
- (ii) कल्पना कीजिए कि आप एक व्यस्त महानगर में रहते हैं और अचानक एक दिन वहाँ संचार नेटवर्क 48 घण्टों के लिए बंद हो गया - न फोन, न इंटरनेट, न कोई डिजिटल सुविधा। इस दौरान जनजीवन कैसे प्रभावित हुआ और लोगों के व्यवहार में क्या बदलाव आए? समझाकर लिखिए।
- (iii) 'जिस देश में बच्चे अपने देश और संस्कारों का सम्मान नहीं करते, वह देश अपनी असली पहचान खो देता है।' इस विषय पर अपने विचार स्पष्ट करते हुए लिखिए कि एक विद्यार्थी के जीवन में देश और संस्कारों का क्या महत्त्व होता है? लोगों में देश के प्रति प्रेम जगाने और बढ़ाते के लिए आप किस प्रकार योगदान दे सकते हैं?
- (iv) 'सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाने के लिए यातायात के नियमों के उल्लंघन पर केवल जुर्माना ही नहीं बल्कि कठोर दंड भी लागू किया जाना चाहिए।' इस विषय के पक्ष अथवा विपक्ष पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
- (v) आप अपने मित्रों के साथ सर्दियों की छुट्टियों में कहीं घूमने गए थे। घने कोहरे तथा यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अचानक कई रेलगाड़ियों को स्थगित कर दिया गया। इससे आपको तथा आपके मित्रों को किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ा? इस स्थिति को संभालते हुए आप कैसे घर वापस आए? वर्णन कीजिए।
- (vi) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर मौलिक कहानी लिखिए।
 - (a) 'खुद से लिए गए फैसले घबराहट तो देते हैं पर कभी हारने नहीं देते।'
 - (b) निम्नलिखित वाक्य से अंत करते हुए एक कहानी लिखिए।

..... और मुझे खुशी हुई कि अब माँ भी समझने लगीं कि परिवार के साथ-ही-साथ अपने लिए समय निकालना भी आवश्यक है।

Question 2

Read the passage given below carefully and then answer the questions that follow, using your own words.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए।

उफ! तुम कब जाओगे अतिथि!

तुम्हारे आने के ठीक चौथे दिन, बार-बार यह प्रश्न मेरे मन में उमड़ रहा है, तुम कब जाओगे अतिथि! तुम कब घर से निकलोगे मेरे मेहमान!

तुम जिस सोफे पर टाँगें पसारे बैठे हो, उसके ठीक सामने एक कैलेंडर लगा है जिसकी फड़फड़ाती तारीखें मैं तुम्हें रोज दिखा कर बदल रहा हूँ। यह मेहमाननवाजी का चौथा दिन है। मगर तुम्हारे जाने की कोई संभावना नज़र नहीं आती। लाखों मील लंबी यात्रा कर 'एस्ट्रोनॉट्स' भी चाँद पर इतने दिन नहीं रुकते जितना तुम रुके। उन्होंने भी चाँद की इतनी मिट्टी नहीं खोदी जितनी तुम मेरी खोद चुके हो। क्या तुम्हें अपना घर याद नहीं आता? क्या तुम्हें तुम्हारी मिट्टी नहीं पुकारती?

जिस दिन तुम आए थे, कहीं अंदर-ही-अंदर मेरा बटुआ काँप-उठा था। फिर भी मैं मुस्कराता हुआ उठा और तुम्हारे गले मिला। मेरी पत्नी ने तुम्हें सादर नमस्ते की। तुम्हारी शान में ओ मेहमान, हमने दोपहर के भोजन को 'लंच' में बदला और रात के खाने को 'डिनर' में। हमने तुम्हारे लिए सलाद कटवाया, रायता बनवाया और मिठाइयाँ मँगवाई। इस उम्मीद में कि दूसरे दिन शानदार मेहमाननवाजी की छाप लिए तुम रेल के डिब्बे में बैठ जाओगे। मगर, आज चौथा दिन है और तुम यहीं हो। कल रात हमने खिचड़ी बनाई, फिर भी तुम यहीं हो। आज हम उपवास करेंगे और तुम यहीं हो। तुम्हारी उपस्थिति यूँ रबर की तरह खिंचेगी, हमने कभी सोचा न था।

सुबह तुम आए और बोले, "लॉन्ड्री को कपड़े देने हैं।" मतलब? मतलब यह कि जब तक कपड़े धुल कर नहीं आएँगे, तुम नहीं जाओगे? यह चोट मार्मिक थी, यह आघात अप्रत्याशित था। मैंने पहली बार जाना कि अतिथि केवल देवता नहीं होता। वह मानव और कई बार दानव भी हो सकता है। कपड़े धुल कर आ गए और तुम यहीं हो। पलंग की चादर दो बार बदली जा चुकी और तुम यहीं हो। अब इस कमरे के आकाश में ठहाकों के रंगीन गुब्बारे नहीं उड़ते। शब्दों का लेन-देन मिट गया। अब करने को चर्चा नहीं रही। परिवार, बच्चे, नौकरी, राजनीति, रिश्तेदारों, पुराने दोस्त, फिल्म, साहित्य, यहाँ तक कि हमने अपने पुराने प्रेम-प्रसंगों का भी जिक्र कर लिया। सारे विषय खत्म हो गए। तुम्हारे प्रति मेरी प्रेमभावना अब अपशब्दों में बदल रही है। मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि तुम कौन-सा 'फेविकॉल' लगा कर मेरे घर में आए हो?

पत्नी पूछती है, "कब तक रहेंगे ये?" जवाब में मैं कंधे उचका देता हूँ। जब वह प्रश्न पूछती है, मैं उत्तर नहीं दे पाता। जब मैं पूछता हूँ, वह चुप रह जाती है।

तुम्हारा बिस्तर कब गोल होगा अतिथि ? मैं जानता हूँ कि तुम्हें मेरे घर में रहना अच्छा लग रहा है। सबको दूसरों के घर में अच्छा लगता है। यदि लोगों का बस चलता तो वे किसी और के घर में ही रहते। मगर घर को सुंदर और 'होम' को 'स्वीट होम' इसीलिए कहा गया है कि मेहमान आएँ और अपने घर वापिस लौट जाएँ। मेरी रातों को अपने खर्चाओं से गुँजाने के बाद अब चले जाओ मेरे दोस्त ! देखो, शराफत की भी एक सीमा होती है। कल का सूरज तुम्हारे आगमन का चौथा सूरज होगा और वह मेरी सहनशीलता की अंतिम सुबह होगी। उसके बाद मैं लड़खड़ा जाऊँगा।

यह सच है कि अतिथि होने के नाते तुम देवता हो, मगर मैं भी आखिर मनुष्य हूँ। एक मनुष्य ज्यादा दिनों तक देवता के साथ नहीं रह सकता। देवता का काम है कि वह दर्शन दे और लौट जाए। तुम लौट जाओ अतिथि। इसके पूर्व कि मैं अपने चेहरे का नकाब उतारूँ, तुम लौट जाओ।

उफ ! तुम कब जाओगे, अतिथि !

(साभार : शरद जोशी)

- (i) कैलेंडर की फड़फड़ाती तारीखें अतिथि को दिखाते हुए बदलने के पीछे लेखक की क्या मंशा थी ? इस बात को उन्होंने किस उदाहरण द्वारा स्पष्ट करने की कोशिश की है ? [3]
- (ii) 'बटुआ काँप उठा' वाक्यांश का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि यह वाक्यांश किस संदर्भ में कहा गया है और क्यों ? [3]
- (iii) 'अतिथि देवोभव' की परम्परा को भूलकर लोग आज अतिथियों को बोझ क्यों समझ रहे हैं ? उनकी सोच में आए इस परिवर्तन का क्या कारण है ? किन्हीं तीन बिंदुओं के माध्यम से अपने विचार व्यक्त कीजिए। [3]
- (iv) निम्नलिखित पंक्तियों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए।
 "यह चोट मार्मिक थी, यह आघात अप्रत्याशित था। मैंने पहली बार जाना कि अतिथि केवल देवता नहीं होता। वह मानव और कई बार दानव भी हो सकता है।"

(a) कौन-सी चोट मार्मिक थी ?

[1]

- (1) पलंग की चादर बदलवाना
- (2) लॉन्ड्री को कपड़े देना
- (3) रबर की तरह बातें खींचना
- (4) ठहाकों के गुब्बारे उड़ाना

(b) प्रसंग के आधार पर 'अप्रत्याशित' शब्द का अर्थ है :

[1]

- (1) जब किसी बात की आशा न की गई हो
- (2) जब आशा से अधिक मिला हो
- (3) जब आशा निराशा में बदल गई हो
- (4) जब आशा की हल्की-सी किरण दिखती हो

(c) लेखक को कब अहसास हुआ कि अतिथि देवता ही नहीं मानव और दानव भी हो सकता है? [1]

- (1) जब अतिथि ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया
- (2) जब अतिथि ने उनका कीमती सामान तोड़ दिया
- (3) जब अतिथि लम्बे समय तक उनके घर पर रहा
- (4) जब अतिथि प्रेम-प्रसंगों पर चर्चा करने लगा

(v) निम्नलिखित पंक्तियों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए।

“कल का सूरज तुम्हारे आगमन का चौथा सूरज होगा और वह मेरी सहनशीलता की अंतिम सुबह होगी। उसके बाद मैं लड़खड़ा जाऊँगा।”

(a) गद्यांश के अनुसार ‘लड़खड़ाने की स्थिति’ कब उत्पन्न होती है? [1]

- (1) जब संतुलन बिगड़ जाता है
- (2) जब सामंजस्य स्थापित हो जाता है
- (3) जब अराजकता का बोलबाला होता है
- (4) जब मन में स्थिरता का भाव होता है

(b) ‘सहनशीलता की अंतिम सुबह’ से क्या अभिप्राय है? [1]

- (1) मेहमान के जाने की अंतिम सुबह का आना
- (2) सहनशीलता से सूरज का स्वागत करना
- (3) उगते हुए सूर्य की प्रतीक्षा करना
- (4) धैर्य की सीमा समाप्त होना

(c) इस समय लेखक के मनोभाव क्या हैं? [1]

- (1) भावुकता और तटस्थता
- (2) क्रोध और घृणा
- (3) उदासीनता और अकेलापन
- (4) आक्रोश और झुंझलाहट

Question 3

(A) Do as directed.

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

- (i) निम्नलिखित वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए। [1]
मंत्री जी ने एक छात्रों की सभा में भाषण दिया।
- (ii) रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए। [1]
अनपढ़ श्याम की सरकारी नौकरी क्या लग गई मानो अंधे के हाथ _____ लग गई।
- (iii) निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। [1]
(a) अधिकारियों ने कागजात का निरीक्षण किया।
(b) अधिकारियों ने कागजात का परीक्षण किया।
(c) अधिकारियों ने कागजात की जाँच की।
(d) अधिकारियों ने कागजात का अन्वेषण किया।
- (iv) निम्नलिखित वाक्यों में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। [1]
(a) अपनी क्षमता से अधिक खर्च नहीं करना चाहिए।
(b) दुःखी को और दुःखी नहीं करना चाहिए।
(c) बुरा वक्त आने पर अपने भी आँखें फेर लेते हैं।
(d) दोनों बेटियों का विवाह करके वह यमुना नहा गया।
- (v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के लिए सही शब्द का चयन कीजिए। [1]
युद्ध में पीठ दिखाकर भागने वाला सैनिक कायर कहलाता है।
(a) भगोड़ा
(b) हिंसक
(c) जुझारू
(d) शहीद

(B) Do as directed.

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

- (i) निम्नलिखित मुहावरे से वाक्य बनाइए। [1]
धुन का पक्का होना
- (ii) निम्नलिखित मुहावरे को शुद्ध कीजिए। [1]
पानी में रहकर मछली से बैर
- (iii) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए। [1]
मैंने सौ रूपए देकर मोहित की मदद की तो उसने कहा कि _____ बहुत होता है।
(a) अंधों में काना राजा
(b) उड़ते को पंख का सहारा
(c) अपना हाथ जगन्नाथ
(d) डूबते को तिनके का सहारा
- (iv) निम्नलिखित वाक्य के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए। [1]
न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की बातें ध्यानपूर्वक सुनकर 'उचित फैसला' सुना दिया।
(a) दो टूक बात कहना
(b) दूध का दूध और पानी का पानी
(c) खूब खरी-खोटी सुनाना
(d) मोहर लगाना
- (v) निम्नलिखित मुहावरे के सही अर्थ का चयन कीजिए। [1]
फूँक-फूँक कर कदम रखना
(a) किसी काम को पूरा करना
(b) आगे कदम बढ़ाना
(c) सोच समझ कर काम करना
(d) फूँकते हुए चलना

SECTION - B
(LITERATURE - 40 MARKS)

Answer four questions from this section on any three out of the four prescribed textbooks.

पाठ्यक्रम में निर्धारित चार पुस्तकों में से किन्हीं तीन पुस्तकों के चार प्रश्नों के उत्तर इस भाग से दीजिए।

गद्य संकलन (Gadya Sanklan)

Question 4

“उस विरक्तावस्था में उनके मन में यह कल्पना उठ रही थी – संभव है, इटली जाकर प्रभुदास स्वस्थ हो जाता। हाय ! मैंने तीन हजार का मुँह देखा और पुत्र-रत्न को हाथ से खो दिया।”

- (i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कहानी से ली गई हैं? इसके कहानीकार कौन हैं? [1]
- (ii) चैतन्यदास किस घाट पर बैठे थे? वे इस समय क्या सोच रहे थे? [2]
- (iii) ‘तीन हजार का मुँह देखा’ – इस वाक्य का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]
- (iv) बाबू चैतन्यदास को अपनी हृदयहीनता का अहसास कब और कैसे हुआ? अंत में अपने मन की शांति के लिए उन्होंने क्या किया? [5]

Question 5

[10]

‘मन्नू भंडारी की कहानी ‘मजबूरी’ एक माँ के त्याग, ममता और अकेलेपन की गहरी संवेदना को उजागर करती है।’ इस कथन को कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Question 6

[10]

हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार भारतीय समाज में बढ़ते भ्रष्टाचार और पतन का मूल कारण क्या है? लेखक को ऐसा क्यों लगता है कि चाहे ऊपर से कितनी भी उथल-पुथल है, पर भीतर से भारत अब भी महान् है, अनुकरणीय है? निबन्ध के आधार पर इसका विश्लेषण कीजिए।

काव्य मंजरी (Kavya Manjari)

Question 7

द्वीप हैं हम। यह नहीं है शाप, यह अपनी नियति है।
हम नदी के पुत्र हैं, बैठे नदी की क्रीड में,
वह वृहत् भूखंड से हमको मिलाती है,
और वह भूखंड अपना पितर है।

- (i) प्रस्तुत पंक्तियों के कवि और कविता का नाम लिखिए। [1]
- (ii) द्वीप किसे अपनी माता कह रहा है और क्यों? [2]
- (iii) भूखंड और द्वीप का क्या सम्बन्ध है? द्वीप अपने अस्तित्व को शाप न मानकर अपनी नियति क्यों मानता है? [2]
- (iv) कविता में वर्णित प्रतीकों के सांकेतिक अर्थ लिखते हुए उनके पारस्परिक सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए। कवि अपनी व्यक्तिगत सत्ता को सुरक्षित क्यों रखना चाहता है? [5]

Question 8

[10]

‘अँधेरे का दीपक’ कविता में कवि हरिवंशराय बच्चन ने ‘अँधेरे’ और ‘दीपक’ को किन-किन भावों का प्रतीक माना है? इस प्रतीकात्मकता के माध्यम से कवि ने मनुष्य को संघर्ष, आत्म-विश्वास और जीवन-ध्येय के विषय में क्या संदेश दिया है? कविता के शीर्षक की सार्थकता पर भी अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

Question 9

[10]

‘आ: धरती कितना देती है’ कविता में कवि सुमित्रानन्दन पंत को कब समझ में आया कि ‘वसुधा रत्न प्रसविनी’ है? बचपन में उन्होंने किस भावना के वशीभूत होकर, क्या नादानी की थी? दोनों स्थितियों में हुए अनुभवों को उन्होंने किस प्रकार वर्णित किया है? समझाकर लिखिए।

सारा आकाश (Sara Aakash)

Question 10

“मैंने तो कभी भी नहीं सोचा था कि तुम्हारे पैरों की बेड़ी बनकर आऊँगी। जब भी तुम पाओ कि मैं तुम्हें पीछे घसीट रही हूँ तो निर्मम होकर रास्ते की बाधा की तरह मुझे छोड़कर अपने को अलग कर लेना। मेरी चीख-पुकारों पर ध्यान मत देना।”

- (i) ‘पैरों की बेड़ी’ का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। [1]
- (ii) प्रभा क्यों कह रही है कि ‘निर्मम होकर रास्ते की बाधा की तरह मुझे छोड़कर अपने को अलग कर लेना’? इस कथन से उसके किस मनोभाव का पता चलता है? [2]
- (iii) प्रभा के चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [2]

- (iv) इस गद्यांश के माध्यम से उपन्यासकार 'राजेंद्र यादव' समर और प्रभा के दांपत्य जीवन के किस निर्णायक मोड़ को चित्रित कर रहे हैं? विस्तार से स्पष्ट कीजिए। [5]

Question 11

[10]

उपन्यास 'सारा आकाश' में रमा को लिखा गया प्रभा का पत्र केवल एक स्त्री के व्यक्तिगत सपने का नहीं, बल्कि हजारों भारतीय मध्यमवर्गीय महिलाओं की दबी हुई और अस्वीकृत आवाज का प्रतीक है। उपन्यास के माध्यम से इस कथन की पुष्टि कीजिए।

Question 12

[10]

'अम्मा के व्यवहार एवं स्वभाव की कटुता परिवार के आर्थिक अभाव तथा परंपरावादी सोच का परिणाम थी।' इस कथन के आलोक में 'अम्मा' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

आषाढ़ का एक दिन (Aashad Ka Ek Din)

Question 13

"मैंने इसलिए तुमसे यहाँ से जाने के लिए नहीं कहा था। ... मैंने इसलिए भी नहीं कहा था कि तुम जाकर कहीं का शासन-भार संभालो। फिर भी जब तुमने ऐसा किया, मैंने तुम्हें शुभकामनाएँ दीं- यद्यपि प्रत्यक्ष तुमने वे शुभकामनाएँ ग्रहण नहीं कीं।"

- (i) उक्त कथन के वक्ता और श्रोता कौन हैं? [1]
- (ii) उक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]
- (iii) इन पंक्तियों के आधार पर वक्ता की मनःस्थिति का वर्णन कीजिए। [2]
- (iv) "यद्यपि प्रत्यक्ष तुमने वे शुभकामनाएँ ग्रहण नहीं कीं।" वक्ता के मन में ये भाव किसके लिए और क्यों उत्पन्न हुए? समझाकर लिखिए। [5]

Question 14

[10]

'मल्लिका जहाँ एक ओर निःस्वार्थ, भावुक और आदर्श प्रेमिका के रूप में उभरती है, वहीं दूसरी ओर परिस्थितियों से संघर्ष करती हुई एक स्वाभिमानिनी स्त्री भी दिखाई देती है।' इस कथन के आधार पर मल्लिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Question 15

[10]

‘आषाढ़ का एक दिन’ नाटक में प्रेम और राजसत्ता के बीच के द्वंद्व को किस प्रकार चित्रित किया गया है? इस द्वंद्व में कालिदास की त्रासदी को स्पष्ट कीजिए।

20396707

20396707

20396707

SEAL